



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सं० २४]

नई दिल्ली, शनिवार, जन 13, 1970 (ज्येष्ठ 23, 1892)

No. 241

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1970 (JYAISTHA 23, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

(PART III—SECTION 4)

**विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, घोषणा और सूचनाएं सम्मिलित हैं
(Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies)**

टेल इर अधिकरण, सदास के समक्ष

(रेल दर अधिकारण नियमावली 1959 के नियम 19(3) और (4) के अधीन जारी की गयी सार्वजनिक सचना)

1969 की शिकायत संख्या ३

(मद्रास, कलकत्ता और सिकन्दराबाद)

जयश्री केमिकल्स लिमिटेड गंजम शिकायकता
बनाम

३८

दक्षिण रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे का मालिक भारत संघ, जिसका उन्नत रेलों के महा प्रबन्धक प्रतिनिधित्व करते हैं } प्रत्यार्थी

यतः उपर्युक्त शिकायकर्ता ने भारतीय रेल अधिनियम 1890 की धारा 41 (1) के अधीन शिकायत की है कि उड़ीसा के गंजम पर स्थित उनके कारखाने में विभिन्न रसायन, औषध आदि के उत्पादन के लिए वेदरप्पम, तृत्तुकृड़ी और विशाखापट्टणम से सामान्य नमक वैगन भारतों में बड़ी मात्रा में लाया जाता है और उन्होंने रेलों से प्रार्थना की थी कि उनके यातायात पर भाड़ा-सूची दर के आधार पर प्रभार न लगाया जाए, परन्तु उससे भी कुछ कम दर पर लगाया जाए, जो अदिगमपट्टणम ने मेट्टूर तक, मेट्टूर केमिकल्स एण्ड इन्डस्ट्रीज निमिटेंड के यानायात पर कालू दर में, जो 1954 की शिकायत संख्या 3 में अधिकरण द्वारा जारी किये गये आदेंग के अधीन दी गयी थी, तुलनीय हो; पर उबत प्रार्थना स्वीकृत

नहीं हुई; नमक यातायात पर 35-क (दिशेप) की भाड़ा-सूची के आधार पर प्रभार लगाया नहीं जा सकता; इस अधिक भाड़े के कारण उत्पादन की लागत में बढ़ि हो गयी है जिससे शिकायतकर्ता को नुकसान हो रहा है; उत्तर से दक्षिण आ-जाने वाले को यला वैगन खाली ही लौटते हैं; डाउन दिशा में अत्याधिक दूर तक भेजे जाने वाले नमक की यातायात-विशिष्टता, प्रभार में कमी को उचित बनाती है; उपर्युक्त स्टेशनों से गंजम तक नमक यातायात के लिए लगायी जानेवाले भाड़ा-दर अनुचित हैं; मेट्रो केमिकल्स के लिए स्वीकृत दरों से भी कम दर पर स्टेशन-से-स्टेशन दर निर्धारित की जाए;

और यह: शिकायतकर्ता ने प्रार्थना की है कि (1) वेदारण्यम्, तृत्यकुड़ि विशाखपट्टनम् से गंजम तक के नमक यातयात के लिए लगावी जनेवाली दरों को अनुचित घोषित किया जाय (2) वैसे यातयात के लिए वेदारण्यम् तृत्यकुड़ि और विशाखापट्टनम् में कमशः प्रति किवण्टल ₹० ३.३०, ₹० ३.६५ और ₹० १.१२ से भी कम दर, जो न्यायसंगत हो, निर्धारित की जाए;

और यतः यह माना जाता है कि और भी ऐसे व्यक्ति होंगे जो रिकार्डों में नहीं हों परन्तु जिनका, इन कार्यवाहियों में शिकायत-कर्ता या प्रत्यार्थियों के समान हित हो;

अतः यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है ताकि कोई भी व्यक्ति, जो वैग्राही हो, इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के अन्दर इस शिकायत में प्राथित अनुतोप की पुस्टि में या विरोध में इस मामले में प्रविष्ट होने की अनमति के लिए, या शिकायतकर्ता

या प्रत्यार्थियों के पक्ष में जोड़े जाने के लिए, प्रस्तावित प्रवेश के आधार पर या कार्यवाहियों में अपनी स्थिति और हित को स्पष्ट करते हुए या उक्त मामले में एक पार्टी के रूप में जोड़े जाने का आधार स्पष्ट करते हुए अर्जी पेश कर सके। इस सार्वजनिक सूचना के बाद अधिकरण द्वारा दिया जानेवाला कोई भी निर्णय ऐसे सभी लोगों पर लागू होगा।

आज मई, 1970 की 20 वीं तारीख को, नं० 1 पग्स रोड, राजा अण्णामलैपुरम, मद्रास-28 में मेरे हरताक्षर और अधिकरण की मुद्रा के अधीन जारी किया जाता है।

(रेल दर अधिकरण नियमावली के नियम 19(3) और (4) के अधीन जारी की गयी सार्वजनिक सूचना)

1970 का प्रार्थना पत्र सं० 1

दि फटिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० शिकायतकर्ता
बनाम

भारत संघ जो (1) पश्चिम (2) उत्तर और (3) पूर्व रेलों का मालिक है और जिसका प्रतिनिधित्व महाप्रबन्धकों और (4) रेलवे बोर्ड के सचिव द्वारा किया जाता है।	} प्रत्यार्थी
--	---------------

यतः शिकायतकर्ता ने रेल अधिनियम 1890 की धारा 41(1) के अधीन यह बताते हुए एक शिकायत पेश की है कि सिन्धी पर रासायनिक खाद कारखाने की स्थापना करने का निर्णय रेलवे बोर्ड की छछा पर और जिसकी ओर से इस मत के प्रकट किये जाने पर किया गया था कि उत्तर पंजाब और राजस्थान की ओर नियमित रूप से कोयले का यातायात है और वापस जानेवाले खाली बैगनों में इन राज्यों से सिन्धी को कच्चा माल जिप्सम नगण्य अतिरिक्त लागत पर लाया जा सकता है; सिंधी कारखाने में 1952 में उत्पादन आरंभ किया गया; सिंधी के जानेवाले जिप्सम की भाड़ा-दर को कम करने के लिए, परिक्षालन-संबंधी लाभों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए रेलवे बोर्ड से प्रार्थना की गयी थी। 1-4-1952 से जमसर और कावास से सिन्धी इमदादी साइडिंग को बुक किये जानेवाले जिप्सम को साधारण भाड़ा-दर से 20 प्रतिशत कम की विशेष दर प्रदान की गयी; यह रिआयत दूसरे स्टेशनों से भी दी गयी जब जिप्सम का परिवहन उन स्टेशनों से किया जाता था; रेलवे बोर्ड इस विशेष दर को समय-समय पर बढ़ाते रहे और 1-4-1969 से यह रह की गयी; इन स्टेशनों ने सिन्धी को बुक किये जानेवाले जिप्सम को पूरी भाड़ा-दर पर प्रभारित करना अनुचित है; विशेष भाड़ा-दर के लिये जाने पर भी सिंधी कारखाना हाति या अपर्याप्त लाभ पर काम करता था; पूरी भाड़ा दर इस यातायात की शक्ति के परे है, इन विशेष दरों का रद्द किया जाना सरकार की अपनी नीति तथा लोक हित के विरुद्ध है; शिकायत तीव्र वा यातायात नियमित और काफी बड़ा माला में है और बहुत कर्दे बैगनों के खाली लौटने की दिशा में होता है जिससे रेलों को किफायत होती है;

और यतः शिकायतकर्ता ने प्रार्थना की है कि (1) यह घोषणा की जाय कि जमसर, कावास जेटसर, नाल, कल्याण कोट, मूरुगनगढ़,

रंगमहल, सरूपसर, नागौर, उत्तरलालै, बारमेर, तैयाट हमीरा, रवनाथगढ़, रामसिंहपुर, धीरेश, हनुमानगढ़, मूकरका, नोहर और व्यावाग से सिंधी इमदादी साइडिंग को जिप्सम के यातायात की दर अनुचित है और (2) ऐसे परिवहन के लिए उचित दर नियत की जाय;

और यतः यह माना जाता है कि और भी इस प्रकार के व्यक्ति होंगे, जो रिकार्डों में नहीं हों परन्तु इनका शिकायतकर्ता या उपर्युक्त प्रत्यार्थी के जैसे इन कार्यवाहियों में रामान वित हो;

अतः यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है ताकि कोई व्यक्ति, जो चाहे इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के अन्दर इस शिकायत में प्रार्थित अनुतोष पुष्ट में या विरोध में प्रविष्ट होने की अनुमति के लिए या शिकायतकर्ता अथवा प्रत्यार्थी के पक्ष में जोड़े जाने के लिए प्रस्तावित प्रवेश के आधार को या कार्यवाहियों में अपने हित और स्थिति स्पष्ट करते हुए या उपर्युक्त शिकायत में एक पर्टी के रूप में जोड़े जाने के आधार स्पष्ट करते हुए अधिकरण को अर्जी पेश कर सके। इस सार्वजनिक सूचना के बाद अधिकरण द्वारा दिया जानेवाला कोई भी निर्णय ऐसे सभी लोगों पर लागू होगा।

आज मई, 1970 की 20वीं तारीख को, नं० 1 पग्स रोड, राजा अण्णामलैपुरम, मद्रास-28 में मेरे हरताक्षर और अधिकरण की मुहर के अधीन दिया जाता है।

के० एस० शंकरैया

सचिव

रेल दर अधिकरण, मद्रास-28

रेल दर अधिकरण कार्यालय की मुहर

भारतीय औप्योगिक वित नियम

नई विस्ती-1, दिनांक 23 मई 1970

शुद्धिपत्र

1. पृष्ठ 323. तीसरी पंक्ति में आये शब्द “नियमित” को “नियमित” पढ़ा जाये।

2. पृष्ठ 324. विनियम II के उपखण्ड (II) के खण्ड (ख) की चौथी पंक्ति से “ऋग” शब्द हटा दिया जाये।

3. पृष्ठ 327. विनियम 15 के उपविनियम (ग) के खण्ड (क) की पहली पंक्ति में “नाते” शब्द को “नामित” पढ़ा जाये तथा इसी खण्ड की सातवीं पंक्ति में “नागरिक” शब्द भी “नामित” पढ़ा जाये।

4. पृष्ठ 328. विनियम 16 के उपविनियम (ख) के खण्ड (II) की पांचवीं पंक्ति में आये “ने” शब्द को “मे” पढ़ा जाये।

5. पृष्ठ 328. टिप्पणी की छठी पंक्ति में विनियमों शब्द के बाद “के” जोड़ दिया जायेगा।

6. पृष्ठ 328. अन्त में नाम चरनदास खाना के नीचे “महाप्रबन्धक” जोड़ दिया जायेगा।

कृषि पुनर्वित निगम

बम्बई-18, दिनांक 12 मई 1970

कृषि पुनर्वित निगम सामान्य विनियमावली, 1963 (यथा मंसोधित के विनियम 43 के अनुसरण में, निगम का बोर्ड एतदद्वारा निगम की 1 जुलाई, 1963 की अधिसूचना को संशोधित करता है और निम्नलिखित व्यक्तियों को 12 मई, 1970 से, नीचे लिखे के अनुसार, निगम के लिए और उभावी और से निम्नांकित शक्तियों का प्रयोग करने के प्राधिकार देता है: अर्थात्

- “1. निगम के निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् मन्त्रिव, मंत्रिय लेखाकार, प्रबंधक, उप-प्रबंधक, उप-सचिव, प्रशासनिक अधिकारी और लेखा अधिकारी को निगम के चालू और प्राधिकृत कारोबार से मंबंधित सभी लेखों, प्राप्तियों और पत्रों पर हस्ताक्षर करने का प्राधिकार”
- “2. संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के राजदूत और वार्षिक-टन स्थित कार्यवाहक राजदूत को, पृथक तः कार्य करते हुए बंतराष्ट्रीय विकास संघ, वार्षिकटन, गुजरात राज्य महकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड और निगम के बीच

प्रायोजना संबंधी करार (गुजरात कृषि व्यवस्था प्रायोजना) को तथा अन्य प्रायोजनाओं के करारों की निधादित करने का प्राधिकार।”

पी० एन० इमरी,
अध्यक्ष

बम्बई-18, दिनांक 12 मई 1970

कृषि पुनर्वित निगम अधिनियम, 1963 (1963 के दसवें) की धारा 46 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निगम के निदेशक बोर्ड ने भारतीय रिजर्व बैंक के पुरानिमोदन से संकल्प किया है कि कृषि पुनर्वित निगम, सामान्य विनियमावली 1963 के विनियम 43 में “और निगम के ऐसे अधिकारी” शब्दों के बाद “अथवा ऐसे अन्य व्यक्ति” शब्द जोड़ दिए जाएं, और एतदद्वारा जोड़े जाते हैं।”

ए० एन० छौकसी, सचिव
कृषि पुनर्वित निगम

RESERVE BANK OF INDIA

Central Office

CENTRAL DEBT SECTION

Bombay, the 27th May 1970

Statement of Government Promissory Notes encashed for payment of interest in London, under deduction of amount re-transferred to India, and outstanding in the books of the Indian Government Rupee Loans Office Reserve Bank of India on the 31st March 1970

PARTICULARS	2½% Loan 1976	3% Loans		3½% Loans							Total
		1963-65	Conversion Loan 1946	1896-97	1842-43	1854-55	1865				
Balance on 30th September 1969	Rs.	—	—	4,96,100	2,300	—	—	—	—	—	4,98,400
ADD—											
Amount encashed at Bombay	.	.	.								
Ditto at Calcutta	.	.	.								
Ditto at New Delhi	.	.	.								
Ditto at Madras	.	.	.								
Ditto at Bangalore	.	.	.								
during the month											
		—	—	4,96,100	2,300	—	—	—	—	—	4,98,400
DEDUCT—											
Amount written off in the London Registers											
Balance on 31st March 1970	Rs. . .	—	—	4,96,100	2,300	—	—	—	—	—	4,98,400

C. O. Dr. Acc. 5-69/70 5903

Sd/- **ILLEGIBLE**
P. Chief Accountant

R. C. SACHDEVA,
Chief Accountant

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA**

New Delhi-1, the 25th May 1970

No. 5-CA (1)/6/70-71.—With reference to this Institute's Notifications No. 4-CA (1)/18/58-59 dated 7th November 1958 and 4-CA (1)/10/69-70 dated 3rd September, 1969 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountant Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restora- tion
1.	4114	Shri Kuruvila Koshy, A.C.A., Asstt. Branch Manager, M/s. Aspinwall & Co. Ltd., Kulshetra, MANGALORE-5.	16-5-70
2.	4486	Shri Nani Krishna Roy, A.C.A., 25-4-1970 Administrative Officer, Life Insurance Corporation of India, Divisional Office, JAMSHEDPUR-1.	

The 27th May 1970

No. 4-CA(1)/4/70-71.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute, on account of death, with effect from 19th May, 1970 the name of Shri Subbusami Iyer Suryanarayana Iyer, C/o M/s. Suri & Co., 1/29, Mount Road, Madras-2. (Membership No. 9).

No. 8-CA(1)/8/70-71.—In pursuance of clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to Shri Vinod Kumar Aggarwal, A.C.A., of 7/18, Roop Nagar, Delhi-7, (Membership No. 11039), shall stand cancelled for the period from 15th May, 1970 to 30th June 1970, as he does not desire to hold the Certificate of Practice.

The 30th May 1970

No. 5-CA(1)/7/70-71.—With reference to this Institute's Notifications Nos. 4-CA(1)/14/60-61, dated 4th January, 1961 and 4-CA(1)/13/69-70 dated 3rd October, 1969, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restora- tion
1.	914	Shri Chittur Krishna Iyer Venkataram, F.C.A., 20-A, Dr. Rangachari Road, Mylapore, MADRAS-4.	22-5-1970
2.	6780	Shri Yash Paul Maingi, A.C.A., 27-5-1970 12, Montfair Ave, Islington 678, ONTARIO, CANADA.	

Chartered Accountants

The 6th June 1970

No. 60-Misc.(199)/68.—In pursuance of sub-section (1) of Section 13 of the Chartered Accountants Act, 1949 (XXXVIII of 1949), it is hereby notified that the resignation of Shri A. C. Bose, erstwhile Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs, Department of Company Affairs, New Delhi, from the membership of the Council, has been accepted with immediate effect.

C. BALAKRISHNAN
Secretary

**BEFORE THE RAILWAY RATES TRIBUNAL AT
MADRAS**

(*Public notice under Rule 19(3) and (4) of the Railway Rates Tribunal Rules, 1959.*)

COMPLAINT NUMBER 3 OF 1970

(*Madras, Calcutta and Secunderabad*)

Jayshree Chemicals Ltd., Ganjam. . . Complainant
Versus

Union of India owning the Southern Railway, South Eastern Railway and South Central Railway and represented by their General Managers. . . Respondents

WHEREAS the complainant above named has filed a complaint under Section 41(1) of the Railway Act 1890 stating that large quantities of common salt, in wagon loads, are brought to their factory at Ganjam, Orissa, from Vedaranyam, Tuticorin and Vizagapatnam for the manufacture of various chemicals, drugs, etc; that they applied to the railways that their traffic should be charged not at the tariff rate but at a lower rate comparable to the rate in force for Mettur Chemicals & Industries Ltd. from Adirampatnam to Mettur, which was granted under the orders of the Tribunal in Complaint No. 3 of 1954; that the said request was refused; that salt traffic cannot bear the freight schedule at 35-A (Spl.); that the high freight has increased the cost of production resulting in loss to the complainant; that the coal wagons which move from north to south return empty; that the transport characteristics of salt in respect of long lead in the down direction justify a reduction; that the freight rates for salt from the abovesaid stations to Ganjam are unreasonable; that station-to-station rates be fixed even below the rate given to the Mettur Chemicals;

AND WHEREAS the complainant has prayed for (1) a declaration that the rates for carriage of salt from Vedaranyam, Tuticorin and Vizagapatnam to Ganjam are unreasonable; and (2) fixation of reasonable rates for such carriage below Rs. 3.30, Rs. 3.65 and Rs. 1.12 per quintal from Vedaranyam, Tuticorin and Vizagapatnam respectively;

AND WHEREAS it is thought that there may be person who are not on record but have the same interest in the proceedings as the complainant or the respondents;

This public notice is, therefore, given so that any person who desires may petition the Tribunal within thirty days of the publication of this notice for leave to intervene, in support of or in opposition to the reliefs sought for in the complaint or be added as a party on the side of the complainant or respondents setting forth the grounds of the proposed intervention or the position and the interest of the petitioner in the proceedings or the grounds for being added as a party in the above complaint. Any decision given by the Tribunal after this public notice shall apply to all such persons.

Given under my hand and seal of the Tribunal, this 20th day of May, 1970, at No. 1, Pugh's Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Public notice under Rule 19(3) and (4) of the Railway Rates Tribunal Rules, 1959).

COMPLAINT NUMBER 1 OF 1970

(Bombay, New Delhi and Calcutta)

The Fertilizer Corporation of India Ltd., . . Complainant

Versus

Union of India owning (1) the Western, (2) Northern and (3) the Eastern Railways and represented by the General Managers and (4) the Secretary, Railway Board. . . Respondents

WHEREAS the complainant has filed a complaint under Section 41(1) of the Railways Act 1890 stating that the setting up of the Fertilizer factory at Sindri was decided in deference to the wishes of the Railway Board on behalf of which it was represented that there was a regular coal traffic towards North Punjab and Rajasthan and that the raw material gypsum will be brought at very little extra cost in the empty return wagons from these states to Sindri; that the Sindri factory commenced production in 1952 and representations were made to the Railway Board for reduction in the freight rates for gypsum to Sindri pointing out the operational advantages; that special rates equal to 20 per cent less than the normal tariff rate for gypsum from Jamsar and Kavas to Sindri Assisted siding was granted with effect from 1-4-1952; that the same concession was extended from other stations also when gypsum was moved from those stations; that the Railway Board from time to time increased and finally cancelled the special rates from 1-4-1969; that the charging of the full tariff rates for gypsum from these stations to Sindri is unreasonable; that even with special rates the unit at Sindri was working at a loss or with inadequate profits; that the full tariff rate is more than what the traffic can bear; that the cancellation of the special rates is contrary to the Government's own policy and to public interest; that the complainant's traffic is regular and in substantial quantities and it is largely in the direction of the flow of empties which result in economics to the railways;

AND WHEREAS the complainant has prayed for (1) a declaration that the rates for gypsum to Sindri Assisted siding from Jamsar, Kavas, Jetsar, Nal, Kalyankot, Suratgarh, Rangmahal, Sarupsar, Nagaur, Uttarlai, Barmer, Thajat, Hamira, Raghunathgarh, Ramsingpur, Dhirera, Hanumangarh, Bhukarka, Nohar and Viawagah are unreasonable; and (2) fixation of reasonable rates for such carriage;

AND WHEREAS it is thought that there may be person who are not on record but have the same interest in the proceedings as the complainant or the respondents;

This public notice is, therefore, given so that any person who desires may petition the Tribunal within thirty days of the publication of this notice for leave to intervene, in support of or in opposition to the reliefs sought for in the complaint or be added as a party on the side of the complainant or respondents setting forth the grounds of the proposed intervention or the position and the interest of the petitioner in the proceedings or the grounds for being added as a party in the above complaint. Any decision given by the Tribunal after this public notice shall apply to all such persons.

Given under my hand and seal of the Tribunal, this 20th day of May, 1970, at No. 1, Pugh's Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

*The Seal of the
Railway Rates
Tribunal*

K. S. SHANKARAIYA
Secretary Railway Rates Tribunal
Madras-27

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

New Delhi, the 26th May 1970

No. 2/70.—It is hereby notified that the Share Register of the Corporation will be closed and the registration of transfers suspended from the 16th June, 1970 to the 30th June, 1970 (both days inclusive).

By order of the Board,

C. D. KHANNA
Chairman

New Delhi-1, the 3rd June 1970

Errata in respect of Notification No. 2/70 dated the 11th May, 1970, published in the Gazette of India—Part III—Section 4 dated the 23rd May, 1970.

1. Page 330—For the word “or” appearing in the 6th line of Regulation 5 : sub-clause (i) read “of”.
2. Page 331—Add the word “the” after the words “Official duty,” in the 5th line of clause (iv) of sub-regulation 1(a) of Regulation 11.
3. Page 331—Add the word “upto” after the word “Fund” in the 10th line of the second proviso to Regulation 14 : sub-regulation (1).
4. Page 332—Add the punctuation mark “,” after the word “specify” in the 3rd line of sub-regulation 2(e) of Regulation 14.
5. Page 332—For the words “or” appearing in the 2nd line of sub-regulation 2(f) and in the 5th line of sub-regulation 4(a) of Regulation 14, read “of”.
6. Page 333—For the word “encombrance” appearing in the 3rd line of sub-regulation 4(d) of Regulation 14 read “encumbrance”.
7. Page 334—Add the punctuation mark “,” after the word “sub-clause” appearing in the 6th line of the third proviso to Regulation 16(i)(b).
8. Page 334—Add the word “such” after the words “if any” in the 1st line of clause (ii) (b) of Regulation 16.
9. Page 334—For the word “or” appearing in the 4th line of clause (ii) (d) of Regulation 16 read “on”.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

Regional Office Maharashtra

Bombay-5, the 26th April 1970

No. B/Est-II-18(24).—It is hereby notified that the Local Committee constitute vide this office Notification No. B/Est-II-18 (24) dated 29-8-1967 for Kalyan area, Maharashtra Region, under Regulation 10-A of the

E.S.I. (General) Regulations 1950, has been reconstituted with the following members with effect from the date of notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A-1 (a)

- (1) The Deputy Commissioner of Labour and Chief Government Labour Officer, Bombay.

Ex-Officio.

MEMBERS

Under Regulation 10-A-1 (b)

- (2) The Personal Asstt. to the Director, Employees' State Insurance Scheme, Government Dental College & Hospital, 3rd Floor, St. George's Hospital Compound, Bombay-1.

Under Regulation 10-A-1 (c)

- (3) The Medical Officer Incharge, Diagnostic Centre, E.S.I. Scheme, Civil Hospital, Thana.

Under Regulation 10-A-1 (d)

- (4) Shri P. N. Trivedi, (Representative of Kalyan-Ambarnath Manufacturers' Association) Administrative Manager, Swastik Oil Mills, 15/16 MIDC Estate, Ambarnath, Dist. Thana.
- (5) Shri G. D. Deshmukh, (Representative of Kalyan Ambarnath Manufacturers' Association) Personnel Officer, The Western India Match Co. Ltd. Match Division, Ambarnath, Dist. Thana.

Under Regulation 10-A-1 (e)

- (6) Shri N. B. Patil, Treasurer, Rayon Workers Union (INTUC), Shahad, Kalyan.
- (7) Shri V. G. Nimbkar, General Secretary, Rashtriya Chemical Kamgar Sangh, Ambarnath (Dist. Thana).

Under Regulation 10-A-1 (f)

The Manager,
Local Office Kalyan,
E.S.I. Corporation,
Sant Sena Maharaj Chowk,
Kalyan.

Secretary

By Order
I. C. SARIN
Regional Director

New Delhi, the 30th May 1970

No. INS.I.22(1)1/70(2).—In pursuance of the powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st day of December, 1969 as the date from which the medical benefit as laid down in the said Regulation 95-A and the Assam Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1958 shall be extended to the families of insured persons in the following areas in the State of Assam, namely :—

"The areas comprised within the revenue villages of :

- (i) Mariani Town in Mauza Katanigaon in Sibsagar District."

V. R. NATESAN
Insurance Commissioner

New Delhi, the 27th May 1970

No. 12(1)6/68-Med.II.—In pursuance of the resolution passed by the E.S.I. Corporation at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon me the powers of the Corporation under Regulation 105 of E.S.I. (General) Regulations 1950, I hereby authorise Dr. B. K. Dutta, Medical Officer Incharge, Gwalior Rayon Silk Ffg. (Fvg.) Co. Hospital, Nagda, to function as Medical authority with effect from 1st June, 1970 within the jurisdiction of Nagda centre for purposes of Medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

T. C. PURI
Director General